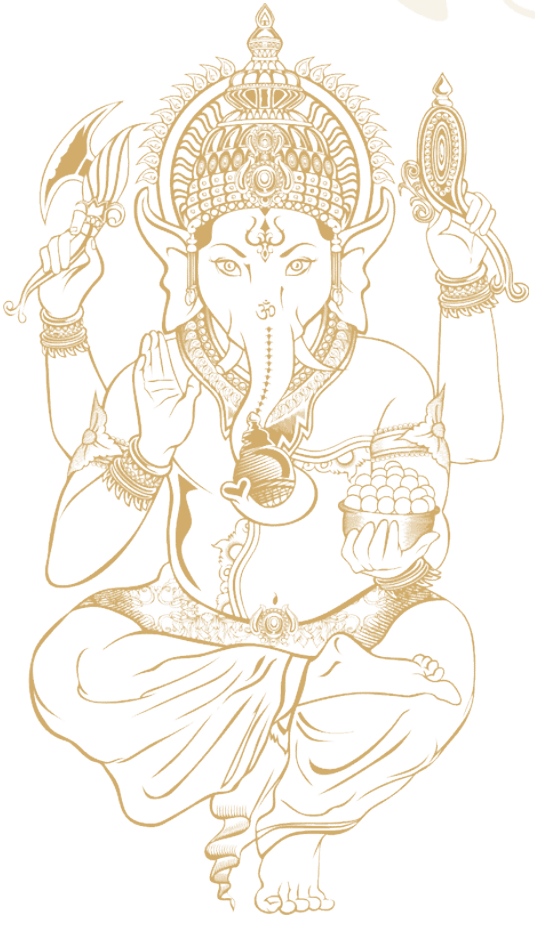

Kumud

30 Jul 1989

02:30 AM

Sikandra Rao

Model: web-freekundliweb

Order No: 121731903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29-30/07/1989**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:30:00 घंटे**
इष्ट	52:10:11 घटी
स्थान	**Sikandra Rao**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:42:00 उत्तर
रेखांश	78:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:13:24 घंटे
वेलान्तर	-00:06:26 घंटे
साम्पातिक काल	22:43:20 घंटे
सूर्योदय	05:37:55 घंटे
सूर्यास्त	19:07:44 घंटे
दिनमान	13:29:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	12:59:03 कर्क
लग्न के अंश	00:42:21 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्याघात
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुसुम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:42:21	339:54:01	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			कर्क	12:59:03	00:57:23	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	08:48:33	13:31:04	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	03:19:53	00:37:45	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध			कर्क	25:15:25	01:52:27	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
गुरु			मिथु	06:03:22	00:12:21	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	13:17:14	01:12:12	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	15:00:38	00:03:38	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	02:09:46	00:02:42	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	02:09:46	00:02:42	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	08:19:21	00:01:51	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	---
नेप	व		धनु	16:35:30	00:01:25	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	---
प्लूटो			तुला	18:39:55	00:00:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	15:32:25	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:52

लग्न-चलित

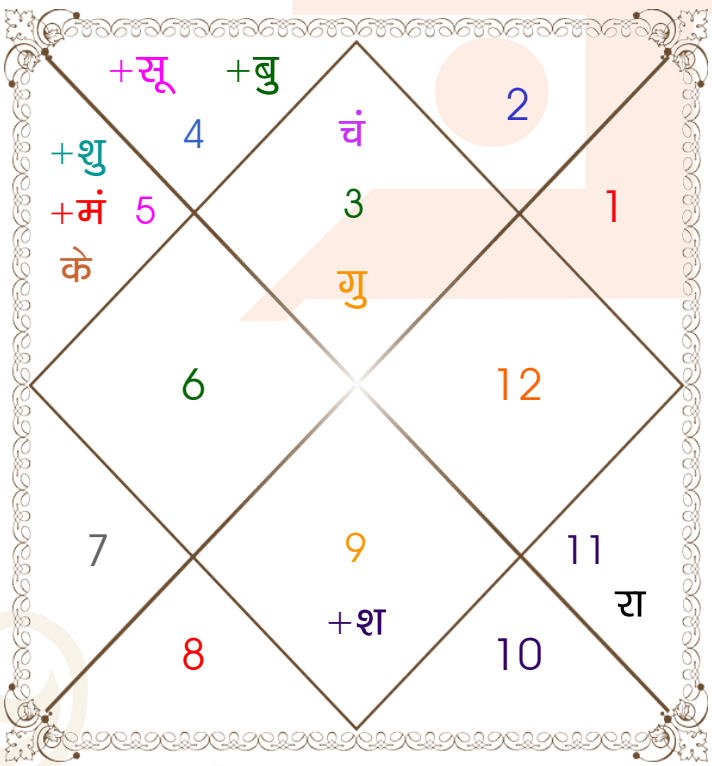

चन्द्र कुंडली

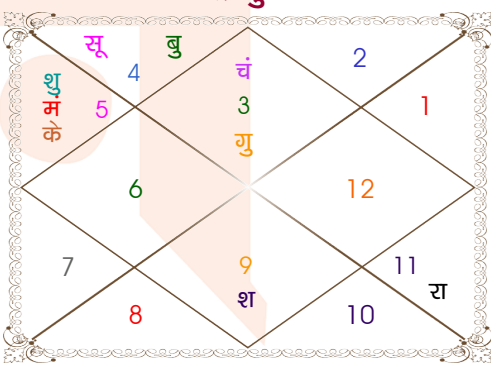

नवमांश कुंडली

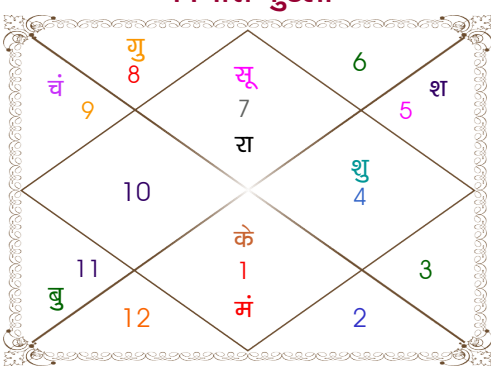

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 15 वर्ष 1 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
30/07/1989		07/09/2004		07/09/2020		07/09/2039		07/09/2056	
07/09/2004		07/09/2020		07/09/2039		07/09/2056		07/09/2063	
	30/07/1989	गुरु	26/10/2006	शनि	10/09/2023	बुध	03/02/2042	केतु	03/02/2057
गुरु	14/10/1991	शनि	08/05/2009	बुध	21/05/2026	केतु	31/01/2043	शुक्र	05/04/2058
शनि	20/08/1994	बुध	14/08/2011	केतु	29/06/2027	शुक्र	01/12/2045	सूर्य	11/08/2058
बुध	08/03/1997	केतु	20/07/2012	शुक्र	29/08/2030	सूर्य	08/10/2046	चंद्र	12/03/2059
केतु	27/03/1998	शुक्र	21/03/2015	सूर्य	11/08/2031	चंद्र	08/03/2048	मंगल	08/08/2059
शुक्र	27/03/2001	सूर्य	07/01/2016	चंद्र	11/03/2033	मंगल	05/03/2049	राहु	25/08/2060
सूर्य	18/02/2002	चंद्र	08/05/2017	मंगल	20/04/2034	राहु	23/09/2051	गुरु	01/08/2061
चंद्र	20/08/2003	मंगल	14/04/2018	राहु	24/02/2037	गुरु	29/12/2053	शनि	10/09/2062
मंगल	07/09/2004	राहु	07/09/2020	गुरु	07/09/2039	शनि	07/09/2056	बुध	07/09/2063

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
07/09/2063		07/09/2083		07/09/2089		07/09/2099		08/09/2106	
07/09/2083		07/09/2089		07/09/2099		08/09/2106		00/00/0000	
शुक्र	07/01/2067	सूर्य	26/12/2083	चंद्र	08/07/2090	मंगल	04/02/2100	राहु	21/05/2109
सूर्य	07/01/2068	चंद्र	26/06/2084	मंगल	06/02/2091	राहु	22/02/2101	गुरु	31/07/2109
चंद्र	07/09/2069	मंगल	31/10/2084	राहु	07/08/2092	गुरु	29/01/2102		00/00/0000
मंगल	07/11/2070	राहु	25/09/2085	गुरु	07/12/2093	शनि	10/03/2103		00/00/0000
राहु	07/11/2073	गुरु	14/07/2086	शनि	09/07/2095	बुध	06/03/2104		00/00/0000
गुरु	08/07/2076	शनि	26/06/2087	बुध	07/12/2096	केतु	02/08/2104		00/00/0000
शनि	07/09/2079	बुध	02/05/2088	केतु	08/07/2097	शुक्र	02/10/2105		00/00/0000
बुध	08/07/2082	केतु	07/09/2088	शुक्र	09/03/2099	सूर्य	07/02/2106		00/00/0000
केतु	07/09/2083	शुक्र	07/09/2089	सूर्य	07/09/2099	चंद्र	08/09/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 15 वर्ष 1 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।